भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

केंद्रीय कमेटी

प्रेस विज्ञप्ति

15 अक्टूंबर 2022

बहाव के खिलाफ हम!

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की केंद्रीय कमेटी विविध, बहादूरी, दृढ़ता, साहस के सात भारत क्रांतिकारी आंदोलन को कई ज्वार भाटा, अत्याचार, दोकेदारी, नुकसान, गद्दारी, ब्राह्णीय हिंदूत्वा फासीवादी दमन के बावजूद क्रांति के लक्ष्य के तरफ आगे बढ़ रही है। तेलंगाणा डीजीपी की व्याख्या को खण्डन कर्ती है।

स्वास्थ्य कारण से एक कार्यकर्ता के आत्मा समर्पण के दौरान डीजीपी मौके के फायदा उठाते हुये, केहते है की, पार्टी विचारधारा मे, नेतृत्व मे, और केडर के संदर्भ मे समाप्त हो चुकी है। और पार्टी खूद बा खूद नष्ट हो जायेगी, और उस को नष्ट करने के लिये बाहरी ताकत का कोई जरूरत नही है। केंद्र कमेटी पुलीस आफीसर को एक सवाल रखती है की, यदी यह सत्य है, तो फिर क्यू केंद्रीय और राज्य सरकार करोडो करोड रूपिया खर्च से सैनिकीकरण के लिये, और पार्टी को खतम करने के लिये योजना लागू कर रही है। और नय नय तारीख रखे जा रही है आंदोलन को समाप्त करने के लिये। जब एक पत्रकार यह सवाल उठाता है की, क्यू आंदोलन बार बार अपनी शक्ति प्रकट कर रहा है, तो, पुलीस बास के पास कोई जवाब नही है। ये चुप्पी का कारण जनता स्पष्टता ते समझती है।

पार्टी नक्सलबाडी सशस्त्र क्रांतिकारी आंदोलन के विरासत को साढ़े पांच दशको से ओगे ले छल रही है। केंद्र नेतृत्व कामरेड्स जो क्रांतिकारी आंदोलन मे नक्सलबाडी के समय से जुडे है, वो आज बुजुर्ग होते जा रहे है। कई स्वास्थ्य समस्या भी है। परंतु एक क्रांतिकारी कभी उपनी दिमाग और विचार से बुजुर्ग नही होता। और इस का गवहा विश्व के कम्युनिस्ट आंदोलन के इतिहास खूद है। पार्टी दूसरे श्रेणि के कार्यकर्ता को विकसित कर रही है।

दीर्घकालिन क्रांति की प्रक्रिया काफी परीक्षणण है। और हर कार्यकर्ता आखरी तक इस के सात जुड नही सकता। कुच केंद्रीय कमेटी के सदस्य, राज्य कमेटी के सदस्य, और बाकी सभी स्तर के कार्यकर्ता पार्टी को छोड चुके है। कुच विश्वासघात करते हुये शोषक राज्य के सात मिल चुके है। यह पार्टी की कमी नही, बल्कि व्यक्ति की कमी है।

पार्टी महत्वपूर्ण कोशिश कर रही है उन सारे समस्या को सुलझाने के लिये, जो देश के दो भौगोलिक क्षेत्र के समन्वय मे पैदा हो रही है। परंतु, कोइ दरार दो भूतपूर्व पार्टी के बीच मे नही उबरी है। यह राज्य का अभूत कल्पना है।

पार्टी की राजनीति वर्ग संघर्ष जो उत्पीडन के खिलाफ है उस से निकली है। और ये बेकूफीवाली बात है की पार्टी की कार्यकर्ता जो अधिकतर शोष्ति वर्ग से आये है, उन को पार्टी के राजनीति समझने मे समस्या पैदा हो रही है। यह एक सत्य है की, यह सारे कार्यकर्ता सैद्धांतिक, और राजनीतिक क्षेत्र मे विकास हो रहे है और नेतृत्व के जिम्मेदारी को भी संभाल रहे है।

विश्व पुंजिपत्ति व्यवस्था बार बार आर्थिक और द्रव्य संकट से बाहर निकलने मे असमर्थ है, यहा की वह और गेहराई मे डुब रहा है। साम्राज्यवादी संस्था जैसे विश्व बैंक, और आइएमएफ भी इस को जता रही है। भारत भी इस संकट का एक हिस्सा है। जब तक शोषण रहेगा, तब तक क्रांति, और क्रांतिकारी पार्टी का अस्तित्व रहेगा। उत्पीड़ित जनता और राष्ट्रीयता पूरे विश्व भर मे संघर्ष के रास्ता को चुन ते हुये, अपनी रोज की समस्या को सुलझाने के लिये संघर्ष मे भाग ले रहे है। क्रांति के लिये परिस्थिति अनुकूल होते जा रही है।

केंद्रीय कमेटी मजबूती से यह बता रही है की, विचारधारा, राजनीति और आचरण मे पार्टी संपूर्ण रूप से सही है, और यह इतिहास मे साबित हो चुकी है, और इतिहास मे साबित हो रही है।

अभय
प्रवक्ता
केंद्रीय कमेटी